



Sonu kumar

13 Oct 1995

10:30 PM

Nawada

Model: web-freekundliweb

Order No: 120937107

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 13/10/1995
दिन _____: शुक्रवार
जन्म समय _____: 22:30:00 घंटे
इष्ट _____: 41:52:56 घटी
स्थान _____: Nawada
राज्य _____: Bihar
देश _____: India

अक्षांश _____: 24:54:00 उत्तर
रेखांश _____: 85:33:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: 00:12:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 22:42:12 घंटे
वेलान्तर _____: 00:13:36 घंटे
साम्पातिक काल _____: 00:09:20 घंटे
सूर्योदय _____: 05:44:49 घंटे
सूर्यास्त _____: 17:23:19 घंटे
दिनमान _____: 11:38:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: शरद
सूर्य के अंश _____: 26:04:55 कन्या
लग्न के अंश _____: 18:43:39 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: मिथुन - बुध
राशि-स्वामी _____: वृष - शुक्र
नक्षत्र-चरण _____: मृगशिरा - 1
नक्षत्र स्वामी _____: मंगल
योग _____: वरियान
करण _____: तैतिल
गण _____: देव
योनि _____: सर्प
नाड़ी _____: मध्य
वर्ण _____: वैश्य
वश्य _____: चतुष्पाद
वर्ग _____: मृग
युँजा _____: पूर्व
हंसक _____: भूमि
जन्म नामाक्षर _____: वे-वेद
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: तुला

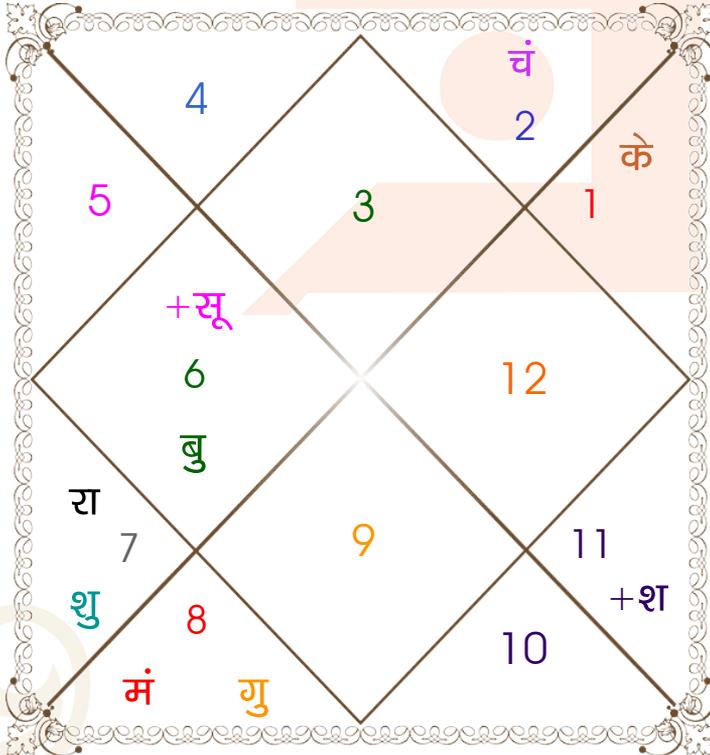
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	18:43:39	318:37:31	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	---
सूर्य			कन्या	26:04:55	00:59:24	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	सम राशि
चंद्र			वृष	23:39:05	11:55:40	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	मंगल	मूलत्रिकोण
मंगल			वृश्चि	01:06:19	00:42:23	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	स्वराशि
बुध	व		कन्या	11:12:20	00:03:34	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	मंगल	उच्च राशि
गुरु			वृश्चि	18:45:31	00:10:33	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	मित्र राशि
शुक्र			तुला	10:24:36	01:14:40	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	गुरु	मूलत्रिकोण
शनि	व		कुंभ	25:27:41	00:03:37	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	स्वराशि
राहु			तुला	02:42:25	00:00:32	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
केतु			मेष	02:42:25	00:00:32	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मित्र राशि
हर्ष			मक	02:44:52	00:00:22	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
नेप			धनु	28:59:40	00:00:17	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
प्लूटो			वृश्चि	05:10:39	00:01:58	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
दशम भाव			मीन	08:44:33	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शुक्र	--

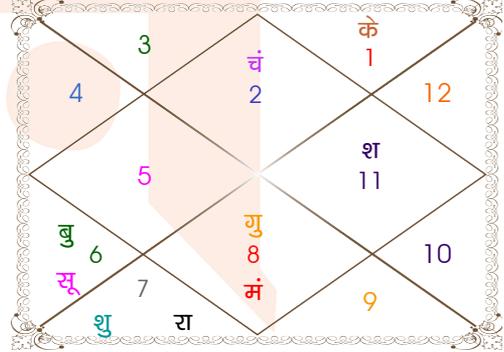
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:00

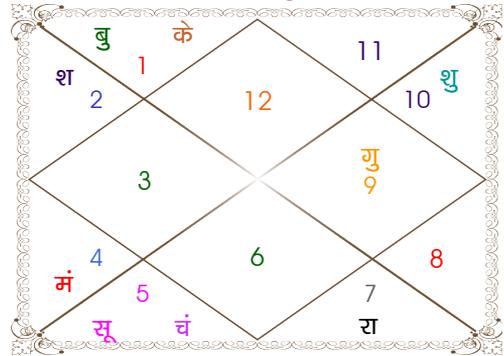
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 6 वर्ष 9 मास 30 दिन

मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष
13/10/1995	13/08/2002	13/08/2020	13/08/2036	13/08/2055
13/08/2002	13/08/2020	13/08/2036	13/08/2055	13/08/2072
मंगल 10/01/1996	राहु 25/04/2005	गुरु 01/10/2022	शनि 16/08/2039	बुध 09/01/2058
राहु 27/01/1997	गुरु 19/09/2007	शनि 13/04/2025	बुध 26/04/2042	केतु 06/01/2059
गुरु 03/01/1998	शनि 26/07/2010	बुध 20/07/2027	केतु 04/06/2043	शुक्र 06/11/2061
शनि 12/02/1999	बुध 11/02/2013	केतु 25/06/2028	शुक्र 04/08/2046	सूर्य 13/09/2062
बुध 09/02/2000	केतु 02/03/2014	शुक्र 24/02/2031	सूर्य 17/07/2047	चंद्र 12/02/2064
केतु 07/07/2000	शुक्र 02/03/2017	सूर्य 13/12/2031	चंद्र 14/02/2049	मंगल 08/02/2065
शुक्र 06/09/2001	सूर्य 24/01/2018	चंद्र 13/04/2033	मंगल 26/03/2050	राहु 29/08/2067
सूर्य 12/01/2002	चंद्र 26/07/2019	मंगल 20/03/2034	राहु 30/01/2053	गुरु 04/12/2069
चंद्र 13/08/2002	मंगल 13/08/2020	राहु 13/08/2036	गुरु 13/08/2055	शनि 13/08/2072

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
13/08/2072	13/08/2079	13/08/2099	14/08/2105	14/08/2115
13/08/2079	13/08/2099	14/08/2105	14/08/2115	00/00/0000
केतु 09/01/2073	शुक्र 13/12/2082	सूर्य 01/12/2099	चंद्र 14/06/2106	मंगल 14/10/2115
शुक्र 11/03/2074	सूर्य 13/12/2083	चंद्र 02/06/2100	मंगल 13/01/2107	00/00/0000
सूर्य 17/07/2074	चंद्र 13/08/2085	मंगल 07/10/2100	राहु 14/07/2108	00/00/0000
चंद्र 15/02/2075	मंगल 13/10/2086	राहु 01/09/2101	गुरु 13/11/2109	00/00/0000
मंगल 14/07/2075	राहु 13/10/2089	गुरु 20/06/2102	शनि 15/06/2111	00/00/0000
राहु 01/08/2076	गुरु 13/06/2092	शनि 02/06/2103	बुध 13/11/2112	00/00/0000
गुरु 07/07/2077	शनि 13/08/2095	बुध 08/04/2104	केतु 14/06/2113	00/00/0000
शनि 16/08/2078	बुध 13/06/2098	केतु 14/08/2104	शुक्र 13/02/2115	00/00/0000
बुध 13/08/2079	केतु 13/08/2099	शुक्र 14/08/2105	सूर्य 14/08/2115	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 6 वर्ष 10 मा 0 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्देश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखें आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृत्ति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पाते। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत्त हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नहीं प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नहीं है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धूम्रपान की अपनी आदतों में वृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।

